हृदयी रहा रे दयाघना

हृदयी रहा रे दयाघना
मन:शांती दे मन मोहना
चरणी तुझ्या ही प्रार्थना ||

तू जाणसी, कि अजाण मी ,
जगतो परी निष्प्राण मी
प्राणेश्वरा, करुणाकरा ,
संजीवनी दे जीवना ||
हृदयी रहा रे दयाघना ...

लय ताल स्वर झंकार तू,
श्वासातला ओमकार तू
वर पामरा दे श्रीधरा,
अखंडित राहो स्वराधाना ||
हृदयी रहा रे दयाघना ...

गीत : अरुण सराफ
संगीत : अरुण सराफ
गायक : सुरेश वाडकर

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1057/title/hrudayee-raha-re-dayaghana-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |